

---

## CBSE Class-5 Hindi

### NCERT Solutions

#### स्मिझिम पाठ- 16.

#### पानी रे पानी

---

#### तुम्हारे आस-पास

अपने आस-पास के बड़ों से पूछकर पता लगाओ-

**प्रश्न 1.** तुम्हारे घर में पानी कहाँ से आता है?

**उत्तर-** हमारे घर में पानी दिल्ली जल बोर्ड की सप्लाई से आता है। दिल्ली जल बोर्ड नदियों नालों के पानी को साफ़ करके सप्लाई करता है।

**प्रश्न 2.** तुम्हारे घर का मैला पानी बहकर कहाँ जाता है?

**उत्तर-** हमारे घर का मैला पानी बहकर नालियों में जाता है।

**प्रश्न 3. (क)** तुम्हारे इलाके में धरती के अन्दर का पानी कितने फीट या कितने हाथ नीचे है?

**उत्तर-** हमारे इलाके में धरती के अन्दर का पानी 20-25 फीट नीचे है।

**(ख)** आज से पन्द्रह वर्ष पहले यह कितना नीचे था?

**उत्तर-** आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी 10-15 फीट नीचे था।

---

#### अनुमान लगाओ

पाठ के आधार पर बताओ-

**प्रश्न 1.** अपने घर के नल के पाइप में मोटर लगवाना दूसरों का हक छिनने के बराबर है। लेखक ऐसा क्यों मानते हैं?

**उत्तर-** लेखक अपने घर के नल के पाइप में मोटर लगवाना दूसरों का हक छिनने के बराबर इसलिए मानते हैं, क्योंकि इससे मोटर लगाने वाले घर को पूरा पानी मिलता है। लेकिन दूसरों को पानी की कमी हो जाती है।

**प्रश्न 2.** बड़ी संख्या में इमारतें बनने से बाढ़ और अकाल का खतरा कैसे पैदा होता है?

**उत्तर-** बड़ी संख्या में इमारतें बनाने के लिए मनुष्य ने समंदर, नदी-नालो आदि का भराव किया तथा अंधाधुंध वन काटे जिससे बाढ़ और अकाल का खतरा पैदा होता है।

**प्रश्न 3.** धरती की गुल्लक किन - किन सा धनों से भरती है?

---

उत्तर- धरती की गुल्लक नदी-नालों, तालाबों तथा झीलों से भरती है।

---

यदि हाँ तो.....

**प्रश्न 1. क्या तुम्हारे इलाके में कभी बाढ़ आई है? यदि हाँ, तो उसके बारे में लिखो।**

उत्तर- हमारे इलाके में बहुत पहले बाढ़ आई थी जिसके बारे में हमें हमारे दादाजी बताते हैं। वह बताते हैं कि उस समय चारों ओर पानी ही पानी फैल गया था। लोगों के घर-बार बह गए थे। साथ ही लोगों को दैनिक जरूरत की चीजें मिलने में बहुत कठिनाईयाँ आई थी।

**प्रश्न 2. क्या तुम्हारे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है? यदि हाँ, तो बताओ कि कैसे तुम्हारे परिवार की दिनचर्या नल में पानी आने के साथ बँधी होती है?**

उत्तर- हाँ, हमारे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है। इस कारण हमारे परिवार की दिनचर्या नल में पानी आने के साथ बँधी होती है। हमें सुबह-सुबह जल्दी उठकर पानी भरना पड़ता है। जब तक पानी न आ जाए तब तक हमने अन्य काम नहीं कर पाते हैं। कई बार जब पानी कुछ देरी से आता है, तो हमें बैठकर पानी का इंतजार करना पड़ता है।

**प्रश्न 3. क्या तुम्हारे मोहल्ले में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है? यदि हाँ, तो बताओ कि तुम्हारे घर में रोज औसतन कितने लीटर पानी खरीदा जाता है? इस पर कितना खर्चा होता है?**

उत्तर- हाँ हमारे मोहल्ले में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है। हमारे घर में रोज पीने के लिए 20 लीटर पानी खरीदा जाता है। इस पर लगभग 500 रुपए महीने का खर्चा होता है।

---

**संकट क्यों?**

**प्रश्न 1. पाठ में पानी के संकट के किन प्रमुख कारणों की बात की गई है?**

उत्तर- पाठ में पानी के संकट के लिए प्रमुख कारण नदी-नालों तथा तलाबों को कूड़े-कचरे से भरने की बात की गई है।

**प्रश्न 2. पानी के संकट का एक और मुख्य कारण पानी की फ़िजूलखर्ची भी है। कक्षा में पाँच-पाँच के समूह में बातचीत करो और बताओ कि आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में पानी की बचत करने के लिए तुम क्या-क्या उपाय कर सकते हो?**

उत्तर- अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में पानी की बचत करने के लिए हम निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं-

(क) हम आवश्यकतानुसार पानी का प्रयोग करें।

(ख) कभी भी नल को खुला ना छोड़ें।

(ग) कपड़े धोने, बर्तन धोने तथा साफ-सफाई में कम-से-कम पानी का प्रयोग करें।

(घ) पानी को व्यर्थ न बहाएँ।

**प्रश्न 3.** जितना उपलब्ध है, उससे कहीं ज्यादा खर्च करने से पानी का संकट उत्पन्न होता है। क्या यही बात हम बिजली के संकट में के बारे में भी क्या सकते हैं?

**उत्तर-** हाँ, यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं। क्योंकि किसी भी वस्तु की उपलब्धता से ज्यादा प्रयोग उसकी कमी का कारण बन सकता है।

### पानी का चक्कर-भाषा का चक्कर

**प्रश्न 1.** पानी की समस्या या बचत से संबंधित पोस्टर और नारे तैयार करो। यह काम तुम चार-चार के समूह में कर सकते हो।

**उत्तर-** पानी की समस्या या बचत से संबंधित नारे इस प्रकार हो सकते हैं—

- (क) जल बचाओ, जीवन बचाओ।
- (ख) जल ही जीवन है।
- (ग) पानी की बूँद-बूँद कीमती है।
- (घ) पानी को बकार न बहाओ।
- ये है बड़ा अनमोल इसे बचाओ।

**पोस्टर-** जल बचाओ, जीवन बचाओ



**प्रश्न 2.** “पानी की बर्बादी, सबकी बर्बादी” इस नारे में ‘बर्बादी’ शब्द का एक अर्थ है या दो अलग अर्थ हैं? सोचो।

**उत्तर-** इस नारे में ‘बर्बादी’ शब्द के दो अर्थ हैं। पहला पानी का बर्बाद होना तथा दूसरा इसकी कमी से सबको होने वाली परेशानियाँ।

---

प्रश्न 3. पानी हमारी जिंदगी में महत्वपूर्ण तो है ही, मुहावरों की दुनिया में हम उसकी जगह खास जगह है। पानी से संबंधित कुछ मुहावरे इकट्ठा करो और उनका उचित संदर्भ में प्रयोग करो।

उत्तर- पानी - पानी होना -(शर्मिदा होना)- अपना झूठ पकड़े जाने पर सोनू पानी-पानी हो गया।

आँख का पानी मरना -(बेशर्म होना)- तुम यह गलत काम कर रहे हो। क्या तुम्हारी आँख का पानी मर गया है?

पानी फिरना -(नष्ट होना)- सेबों की फसल खराब हो जाने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया।

मुँह में पानी आना -(लालच आ जाना)- तरह-तरह की मिठाइयों को देखकर मुँह में पानी आना स्वाभाविक है।